श्री महावीराय नमः

जय गुरु हीरा | श्री कुशलरत्नगजेन्द्रगणिभ्यो नमः | जय गुरु मान

परस्परोपग्रहो जीवानाम्

रत्नम्

वर्ष–2, अंक–37 | 31 जुलाई, 2019 | जोधपुर (राज.)

हिन्दी पाक्षिक | पृष्ठ–16 | मूल्य 5/– प्रति अंक

RNI No. RAJHIN/2015/66547

आवश्यकताओं एवं इच्छाओं पर नियन्त्रण

आवश्यकता और इच्छाओं के संदर्भ में कई नजीरे हैं। भगवान् महावीर के श्रावक, जिनके पास हजारों गायें थीं, सैकड़ों हाली–बेली थे, सम्पदा की कमी नहीं थी, ऐसे आनन्द और कामदेव जैसे श्रावक धन–वैभव और सम्पदा होते हुए भी इच्छाओं के दास नहीं थे। मात्र दो वस्त्र की जोड़ी रखी जाती थी। पशु–पालन, कृषि, व्यापार–व्यवसाय के पीछे स्वावलम्बी जीवन जीने का भाव उनके आचार–विचार–व्यवहार से, रहन–सहन से, जीवन जीने के ढंग से ज्ञात होता था। आज भले ही साधन कम हैं, परन्तु इच्छाएँ असीमित हैं। घर–घर में कपड़ों की पेटियाँ ही नहीं, आलमारियाँ भरी हैं, फिर भी जब भी कोई नया कपड़ा या डिजाइन देखी नहीं कि खरीद करते देर नहीं लगती। जब तक आदमी इच्छाओं का दास रहेगा, उसका घर छूट नहीं सकता, चारित्र में चरण बढ़ नहीं सकता। आप इतना संकल्प कर लें कि हमारे काम में आने वाले जो भी साधन हैं, उन्हें अब नहीं बढ़ायेंगे।

–हीरा प्रवचन–पीयूष भाग 5 से साभार

चातुर्मास विवरण–2019

1. **पाली–मारवाड़(राज.)**– परम श्रद्धेय आचार्यप्रवर पूज्य श्री 1008 श्री हीराचन्द्रजी म.सा. आदि ठाणा 8, **चातुर्मास–स्थल**– सामायिक-स्वाध्याय भवन, जूनी धान मण्डी, जूनी कचहरी पुलिस चौकी के सामने, सुराणा मार्केट, पाली-मारवाड़-306401 (राज.), फोनः 02932-250021, मो. : 94610-16028

सम्पर्क–सूत्र–(1) श्री छगनलालजी लोढ़ा-अध्यक्ष, फोनः-02932-221519, 94141-21519, 80786-57503, (2) श्री रजनीशजी कर्नावट-मंत्री, फोनः-02932-220745, 94141-20745, (3) श्री रूपकुमारजी चौपड़ा, चातुर्मास संयोजक, फोनः-02932-220603, 94141-22304 (4) श्री नरपतजी चौपड़ा, फोनः-02932-220259, 94141-22912 (5) श्री महिपालजी रेड़, मो.-94141-22779, 79768-29833

2. **शक्तिनगर, जोधपुर (राज.)**– परम श्रद्धेय उपाध्याय पं.रत्न श्री मानचन्द्र जी म. सा. आदि ठाणा 5, **चातुर्मास–स्थल**– सामायिक-स्वाध्याय भवन, शक्तिनगर छट्ठी गली, पावटा 'सी' रोड़, जोधपुर-342006 (राज.), 0291-2550148 (अतिथिगृह)

सम्पर्क–सूत्र– (1) श्री सुभाषजी गुन्देचा-अध्यक्ष, मो. 93147-00972 (2) श्री लाडेश जी रांका-चातुर्मास संयोजक-93144-31108 (3) श्री अशोकजी कोचर मेहता-क्षेत्रीय संयोजक-94144-75904 (4) श्री गौतमजी भण्डारी-94143-73008

3. **मणिनगर, अहमदाबाद (गुजरात)**– सेवाभावी श्रद्धेय श्री नन्दीषेणमुनि जी म.सा. आदि ठाणा 4, **चातुर्मास–स्थल**– श्री राजस्थान एस.एस. जैन संघ, महावीर भवन, 9-10, श्री हरिनगर कॉ. हाउसिंग सोसायटी, बी.एस.एन.एल. के सामने, कांकरीया, मणीनगर, अहमदाबाद-380001 (गुजरात), फोनः 079-25390530

सम्पर्क–सूत्र–(1)श्री राजेन्द्रकुमारजी ललवानी-अध्यक्ष, फोन-079-25433177, 98253 -29557 (2) श्री विनोदकुमारजी मुणोत-मंत्री, मो.: 93270-50135 (3) श्री पदमचन्दजी कोठारी, मो. : 94293-03088 (4) श्री कन्हैयालालजी हिरण, मो. : 94611-04734

4. **नेहरूपार्क, जोधपुर (राज.)**– तत्त्वचिन्तक श्रद्धेय श्री प्रमोदमुनिजी म.सा. आदि ठाणा 6, **चातुर्मास–स्थल**– सामायिक-स्वाध्याय भवन, प्लॉट नं. 2, नेहरूपार्क, सरदारपुरा, जोधपुर-342003 (राज.)

सम्पर्क–सूत्र– (1) श्री सुभाषजी गुन्देचा-अध्यक्ष, मो. 93147-00972 (2) श्री प्रकाशजी चौपड़ा- क्षेत्रीय संयोजक-93147-09071 (3) श्री राजेशजी चोरडिया-94604-65708, (4) श्री नरेन्द्रजी बाफना-94626-49678, (5) श्री दिलीपजी लुणावत-94141-83000

5. **प्रतापनगर, जयपुर (राज.)**– साध्वीप्रमुखा विदुषी महासती श्री तेजकंवरजी म.सा. आदि ठाणा 8, **चातुर्मास–स्थल**– श्री श्वेताम्बर जैन रत्न स्वाध्याय भवन, गुलाब विहार के पास, सेक्टर-6, प्रतापनगर, श्योपुर रोड़, टोंक रोड़, सांगानेर, जयपुर-302033 (राज.)

सम्पर्क–सूत्र– (1) डॉ. जितेन्द्रसिंहजी कोठारी-अध्यक्ष, मो. 94133-70006, 98293-70006 (2) श्री सुशीलकुमारजी जैन-मंत्री, मो.94130-23374 (3)श्री वीरेन्द्रकुमारजी

जैन-सह-संयोजक चातुर्मास, मो.88248-77209,63500-20752 (4)श्री कर्तव्यजी चपलोत-युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष, फोन-94132-40301, 94143-35801

6. **वैशाली नगर, अजमेर (राज.)**– विदुषी महासती श्री सुशीलाकंवरजी म.सा. आदि ठाणा 8, **चातुर्मास–स्थल**– श्री जैन श्वेताम्बर संस्था, पार्श्वनाथ कॉलोनी, वैशाली नगर, अजमेर-305001 (राज.)

सम्पर्क–सूत्र– (1) श्री उम्मेदमलजी चौपड़ा-अध्यक्ष, मो. 99505-32025 (2) श्री रमेशजी सिंघी-मंत्री, मो. 98282-71290 (3) श्री जीतमलजी कोठारी, मो. 94147-08603 (4) श्रीमती नीलमजी जैन, मो. 94685-71601

7. **नंदूरबार (महा.)**– विदुषी महासती श्री सौभाग्यवतीजी म.सा.आदि ठाणा 5, **चातुर्मास–स्थल**– श्री जैन श्वेताम्बर स्थानकवासी संघ, जयवंत चौक, पो. नंदूरबार-425412 (महा.)

सम्पर्क–सूत्र– (1) श्री निलेश जी कांकरिया, मो. 99049-23169 (2) श्री भूषणजी हुकमचन्दजी कांकरिया, मो. 90281-55526, 86684-47724 (3) श्री प्रकाशचन्दजी जेठमलजी कोचर-मो. 94215-70003, (4)श्री सुरेशचन्दजी रतनलालजी देसर्डा-मंत्री, मो.: 94033-31153 (5) श्री नगीनचन्दजी बंशीलालजी कांकरिया-98506-00441

8. **जामोला, जिला–अजमेर (राज.)**– व्याख्यात्री महासती श्री मनोहरकंवरजी म. सा. आदि ठाणा 3, **चातुर्मास–स्थल**– जैन स्वाध्याय संघ, पो. जामोला-305623, वाया-मसूदा, जिला-अजमेर (राज.)

सम्पर्क–सूत्र– (1) श्री अशोककुमारजी बोहरा-अध्यक्ष, मो. : 99280-28050, (2) श्री सुनीलकुमारजी बम्ब-मंत्री, मो. : 99282-39795 (3) श्री सुशीलजी बोहरा, मो. : 96024- 10475 (4) श्री अभिषेकजी बम्ब, मो. : 95099-43900

9. **बारनी खुर्द, जिला–जोधपुर (राज.)**– व्याख्यात्री महासती श्री सोहनकंवरजी म. सा. आदि ठाणा 5, **चातुर्मास–स्थल**– सामायिक-स्वाध्याय भवन, पो. बारनी खुर्द-342901, तह. भोपालगढ़, जिला-जोधपुर(राज.)

सम्पर्क–सूत्र–(1) श्री जितेन्द्रजी भण्डारी, मो. 70103-19990 (2) श्री प्रकाशजी लोढ़ा-नाड़सर, मो. 94145-64221, 99836-49409 (3) श्री लोकेशजी सिंघवी, मो. 97841-29073, 90013-25706 (4) श्री सुरेशजी भाटी, मो. 98280-70297

10. **सरस्वती नगर–जोधपुर (राज.)**– व्याख्यात्री महासती श्री चन्द्रकलाजी म.सा. आदि ठाणा 5, **चातुर्मास–स्थल**– भंवरीदेवी मोहनलाल देसरला स्वाध्याय भवन, ए-76-77, सरस्वती नगर, बासनी, जोधपुर-342005 (राज.), फोनः 0291-2724930

सम्पर्क–सूत्र– (1)श्री पारसमलजी ओस्तवाल, मो. 94144-98815 (2) श्री आनन्द प्रकाशजी कवाड़, मो.93093-12750 (3) श्री शान्तिलालजी पींचा, फोनः 0291-2745722

11. **किलपॉक, चेन्नई (तमिलनाडु)**– व्याख्यात्री महासती श्री इन्दुबालाजी म.सा. आदि ठाणा 10, **चातुर्मास–स्थल**– **Kankaria Bhawan, 4, Manonmani Ammal St., Opp. Motcham Theatre, Kilpauk, Chennai-600010 (T.N.), Mob. 73585-**

45551

सम्पर्क–सूत्र– (1)Sh. Sugan Chand Ji Bothra (President), Mo. 94443-67995 (2) Sh. D.Lalith Kumar Ji Bagmar (Secretary), Mo. 98411-74202 (3) Sh. Ajay Ji Nahar, Mo. 98411-34333 (4) Sh. Nikhil Ji Bagmar, Mo.98406-60979

12. जवाहरनगर, जयपुर (राज.)– व्याख्यात्री महासती श्री ज्ञानलताजी म.सा. आदि ठाणा 9, **चातुर्मास–स्थल**– श्री जैन श्वेताम्बर संघ (संस्था), सेक्टर 4, जवाहर नगर, जयपुर (राज.), फोन: 0141-2654679

सम्पर्क–सूत्र– (1) श्री तिलोकचन्दजी गोलेच्छा-अध्यक्ष, मो. 9414962354 (2) श्री सुशीलकुमारजी मूसल-मंत्री, मो. 98290-08378 (3) श्री उम्मेदकुमारजी मूसल, मो. 93511-54073 (4) श्री सुनीलजी मुणोत, मो. 98290-65631

13. जलगांव (महा.)– व्याख्यात्री महासती श्री चारित्रलताजी म.सा. आदि ठाणा 5, **चातुर्मास–स्थल**– श्री रतनलाल सी. बाफना स्वाध्याय भवन, व्यंकटेश मंदिर के पीछे, आकाशवाणी चौक, गणपति नगर, जलगांव-425001 (महा.)

सम्पर्क–सूत्र–(1) श्री दलीचन्दजी जैन-अध्यक्ष, मो. 94222-77744 (2) श्री कस्तुरचन्दजी बाफना-मंत्री, मो. : 98222-18754 (3) श्री कंवरलालजी सिंघवी, मो. : 98220-92962 (4) श्री पदमचन्दजी नाहर, मो.94227-73337

14. बीजापुर (कर्नाटक)–व्याख्यात्री महासती श्री निःशल्यवतीजी म.सा. आदि ठाणा 5, **चातुर्मास–स्थल**– **Shri Vardhaman Sthankwasi Jain Shravak Sangh, Near Balaji Temple, Ram mandir Road, Bijapur-586101 (K.T.)**

सम्पर्क–सूत्र– (1)Sh. Deepchand F. Runwal (President), Mo.94481-00011 (2) Sh. Nitin Kumar D. Runawal (Secretary), Mo.90364-90500, 94491-42822 (3)Sh. Manikantbhai Shah, Mo.93410-11054, 78921-97462 (4) Sh. Mahaveer G. Parekh, Mo.94481-27885

15.भरतपुर (राज.)– व्याख्यात्री महासती श्री मुक्तिप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा 4, **चातुर्मास–स्थल**– श्री वर्द्धमान श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, महावीर भवन, वासनगेट, भरतपुर-321001 (राज.)

सम्पर्क–सूत्र– (1) श्री धर्मेन्द्रजी जैन-अध्यक्ष, मो. 94140-23534 (2) श्री प्रकाशचन्द्र जी जैन-मंत्री, मो. 94143-15407 (3) श्री सुभाषचन्दजी जैन, संयोजक, मो. 98285-02515 (4) श्री आलोकजी जैन-अध्यक्ष, युवक परिषद्, मो. 94142-08064

16. कजगांव (महा.)– सेवाभावी महासती श्री विमलेशप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा 3, **चातुर्मास–स्थल**– श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, स्टेशन रोड़, महावीर नगर, पो. कजगांव-424103, ता. भडगांव, जिला-जलगांव (महा.)

सम्पर्क–सूत्र– (1) श्री चेतनजी कमलचंदजी धाड़ीवाल-अध्यक्ष, मो. 98903-01830, 98901-51830 (2) श्री कल्याणमलजी मानमलजी घाड़ीवाल-98608-31260 (3) श्री वर्धमानजी सुकलालजी चोरडिया, मो. 95037-74762 (4) श्री दिलीपचन्दजी

इन्दरचन्द जी रिंववसरा, मो. 79729-69644

17. **गुलाबपुरा, जिला–भीलवाड़ा (राज.)**– व्याख्यात्री महासती श्री विनीतप्रभा जी म. सा. आदि ठाणा 4, **चातुर्मास–स्थल**– जैन स्थानक, सदर बाजार, पो. गुलाबपुरा-311021, जिला-भीलवाड़ा (राज.)

सम्पर्क–सूत्र–(1) श्री भीमसिंहजी संचेती-अध्यक्ष, मो.94141-13651 (2) श्री हनुमान सिंहजी बरड़िया-मंत्री, मो. 94143-06302 (3) श्री दीपचन्दजी रांका, 94142-06207

18. **हुबली (कर्नाटक)**–व्याख्यात्री महासती श्री रुचिताजी म.सा. आदि ठाणा 6, **चातुर्मास–स्थल**– **Shri Vardhaman Sthankwasi Jain Shravak Sangh, Kanchgar Galli, Hubli-580028 (Karnataka)**

सम्पर्क–सूत्र– (1) Shri Parasmal Ji Patwa, Mo. 63615-05492 (2)Shri Mukesh Ji Bhandari, Mo. 98451-23330 (3)Shri Ashok Ji Kothari, Mo. 98860-10095(4)Shri Parasmal Ji Patwa, Mo. 94801-28340

19. **महावीर नगर, जयपुर (राज.)**– व्याख्यात्री महासती श्री स्नेहलताजी म.सा. आदि ठाणा 3, **चातुर्मास–स्थल**– सामायिक-स्वाध्याय भवन, सेन्ट्रल बैंक वाली गली, महावीर नगर, टोंक रोड़, जयपुर-302015 (राज.), मो. 93513-05953 (गजानन्दजी शर्मा)

सम्पर्क–सूत्र– (1) श्री प्रमोदजी लोढ़ा, मो. : 98290-51083 (2) श्री विरेन्द्रजी चोरड़िया, मो. 98284-06869

20. **अमलनेर (महा.)**– व्याख्यात्री महासती श्री पदमप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा 4, **चातुर्मास–स्थल**– श्री वर्धमान श्वेताम्बर जैन स्थानक, सुभाष चौक के पास, तंबोली टॉकिज के सामने, पो. अमलनेर-425401, जिला-जलगांव (महा.),

सम्पर्क–सूत्र– (1) श्री मदनलालजी रामलालजी ओस्तवाल-अध्यक्ष, मो. 94222-32000 (2) श्री राजमलजी मोहनलालजी संचेती-मंत्री, मो. 94033-87461 (3) श्री एस.डी.ओसवाल, मो. 98236-28894 (4) श्री प्रकाशचन्द्रजी रतनलालजी छाजेड़, मो. 94206- 52846

21. **खेरली, जिला–अलवर (राज.)**– व्याख्यात्री महासती श्री निष्ठाप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा 3, **चातुर्मास–स्थल**– सामायिक-स्वाध्याय भवन, वार्ड नं. 2, जैन कॉलोनी, पो. खेरली-321606, जिला-अलवर (राज.)

सम्पर्क–सूत्र– (1) श्री कमलचन्दजी जैन-अध्यक्ष, मो.: 94148-54549 (2) श्री ओम प्रकाशजी जैन-मंत्री, मो. : 94147-93701 (3) श्री महेन्द्रकुमारजी जैन (रोडवेज वाले), मो. : 94147-93739 (4) श्री अमरचन्दजी जैन, मो. : 94627-84731

22. **धुलिया (महा.)**–व्याख्यात्री महासती श्री शिक्षाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा 4, **चातुर्मास–स्थल**– वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, गली नं. 2, भगवान महावीर मार्ग, धुले- (महा.), मो. 82751-33817

सम्पर्क–सूत्र– (1) श्री कांतिलालजी भीकमचन्दजी चौधरी-संघपति, मो. 98231-72765 (2) श्री के.के. तातेड़-मंत्री, मो. 94239-81770 (3) श्री संजय हरकचन्दजी बोरा, मो. 94227-33700

आचार्यप्रवर के पावन सान्निध्य में धर्मधरा पाली में अपूर्व धर्माराधन

श्रमण परम्परा में दैदीप्यमान नक्षत्र की तरह विभूषित शोभित-महिमामण्डित-आगमज्ञ प्रवचन प्रभाकर-दिव्य दिवाकर-ज्ञान सुधाकर-गुणरत्नाकर, सामायिक-शीलव्रत-रात्रि भोजन त्याग-व्यसन मुक्ति के प्रबल प्रेरक, परमाराध्य परम पूज्य, परमश्रद्धेय आचार्यप्रवर श्री 1008 श्री हीराचन्द्रजी म.सा. महान अध्यवसायी-सरस व्याख्यानी श्रद्धेय श्री महेन्द्रमुनिजी म.सा. आदि मुनिवृन्द पुण्य धरा पाली में स्वास्थ्य की समीचीनता के साथ विचरण कर विराजकर वीतराग वाणी का वर्षण कर श्रद्धालु भाई / बहिनों को लाभान्वित कर उपकृत कर रहे हैं।

विगत मासांत में वीर दुर्गादास नगर में भगवान महावीर के शासन के 82वें पट्टधर आचार्यप्रवर पूज्य श्री हीराचन्द्रजी म.सा. के पदार्पण से धर्म प्रभावना का सुन्दर प्रसंग बना रहा। 21 जून को निमाज से धर्मशीला सुश्राविका श्रीमती मीरा बाई जी धर्म सहायिका स्वर्गीय श्री मोहनलालजी फूलफगर के स्वर्गवास पर श्री कन्हैयालालजी (चित्तुर), श्री अशोककुमारजी (चेन्नई), श्री गौतमचंदजी (निमाज) आदि समस्त परिवारजनों के साथ अपने आराध्य गुरु भगवन् के पावन श्री चरणों में मांगलिक श्रवण करने आये। निमाज चातुर्मास में फूलफगर परिवार ने अहोभाव से पावन सन्निधि का पूरा लाभ लिया। 22 को श्रद्धेय श्री रवीन्द्रमुनिजी म.सा. के पचोले की तपस्या का पारणा स्वास्थ्य समाधि के साथ हुआ। 23 को बालोतरा से धर्म परायण सुश्राविका श्रीमती अणसीदेवी जी धर्म सहायिका स्व. श्री सेवाराम जी बांठिया के स्वर्गवास पर श्री मोतीलालजी, श्री लूणकरण जी, श्री ओमप्रकाशजी बांठिया परिवारजनों को लेकर मांगलिक श्रवण करने की भावना से पूज्य भगवन् के चरणों में आये। 26 को जोधपुर से श्राविका मण्डल की अध्यक्ष के नेतृत्व में महिला मण्डल दिशा-निर्देश लेने की भावना से पूज्य ज्ञान महोदधि के पावन श्री चरणों में आया। 28 को संघशास्ता पूज्य गुरुदेव वीर दुर्गादासनगर से विहार फरमाकर बोहरों की ढ़ाल स्थित अग्रसेन विद्यालय में स्वास्थ्य समाधि के साथ पधारे।

1 जुलाई को नंदूरबार संघ सदस्य विषम स्थिति में भी चातुर्मास की कृपा बरसाने पर कृतज्ञता के भाव निवेदन करने प्रशांत-विभूति की सेवा में आये। 2 को शासन सेवा समिति के सदस्य श्री गौतमचंदजी हुण्डीवाल त्रिदिवसीय सेवा सन्निधि में लाभ लेने की भावना से आये। 5 को विगत दिनों से दोपहर समय चली आ रही अनुयोगद्वार की वाचनी पूर्ण हुई। कई धार्मिक पुस्तकों का लेखन कार्य, पद्यानुवाद सम्पादन का कार्य कुशलता से करने वाले विद्वान लेखक पीपाड़ निवासी उदार हृदयी श्री सम्पतराज जी चौधरी दिल्ली से पूज्य आगम निधि की सेवामें जम्बू चरित्र की कृति लेकर उपस्थित हुए। 8 को संघ सेवा व समाजोत्थान में रचनात्मक योगदान करने वाले अनन्य गुरुभक्त श्री शांतिलाल जी लोढ़ा बैंगलोर से परिवारजनों के साथ सेवा लाभ लेने आये। 11 जुलाई को अष्ट सम्पदा सम्पन्न पूज्य आचार्य भगवंत का असूचित मंगल प्रवेश प्रातः 6.20 पर सुराणा मार्केट स्थित सामायिक स्वाध्याय भवन में

चातुर्मासार्थ हुआ। महापुरुषों के विराजमान होने के अनन्तर ''अरिहंत जय-जय-सिद्ध प्रभु जय-जय'' की मंगल स्तुति के पश्चात् परमोपकारी कल्याणकारी पूज्य गुरुदेव ने मांगलिक फरमाने की कृपा की।

मंगलमय शुभ पदार्पण पर प्रवचन सभा में श्रद्धालु भाई/बहिनों ने भावाभिव्यक्ति की प्रस्तुति की। संचालन उत्साही, ओजस्वी, तपस्वी संघ मंत्री श्री रजनीशजी कर्णावट ने प्रभावी शैली में किया। प्रवचन सभा स्थल लगभग पूरा भरा हुआ था। पूज्य आचार्य भगवंत के पावन चातुर्मास का लाभ पाली वासियों को स्वास्थ्य कारणों से मिला। पूज्य प्रवर के पुरुषार्थ में कोई कमी नहीं थी। गति बनाने व बढ़ाने का अन्त तक अथक प्रयास का क्रम बराबर रहा, पर पाली संघ की असीम पुण्यवानी व प्रबल भाग्योदय का पलड़ा भारी रहा। प्रशांत चेता पूज्य भगवन् ने शेष रहे कुछ अघोषित चातुर्मासों के साथ पाली संघ के लिये स्वीकृति फरमाई। पाली संघ का अपना सदैव भक्ति के कारण वर्चस्व रहा है। जब भी संघ ने चातुर्मास के लिये करुणासागर के चरणों में विनति रखी, संभवतः कभी निष्फल नहीं रही। यह चातुर्मास चाहे स्वास्थ्य कारणों से मिला हो, फिर भी पाली वालों की श्रद्धा भक्ति का अभूतपूर्व दृश्य मूर्त्तरूप में परिलक्षित हो रहा है। वर्तमान में यहाँ 125 से अधिक भाई/बहिनों के एकान्तर तप की साधना गुरुदेव के पदार्पण समय से चल रही है।

श्री हस्तीमल जी गोलेच्छा ब्यावर ने स्वरचित पंक्तियों में बुलन्द व सुमधुर स्वर में गुणगान करते हुए भाव रखे कि पाली जैसा भाग्य हर संघ को मिले।

''आचार्य पूज्य हीराचन्द्र रो दर्शन मन भावणो।
वंदन करण ने वाणी सुणन ने, सुराणा मार्केट में आवणो।।''

श्राविका मण्डल की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष श्रीमती बीना जी मेहता, जोधपुर ने कहा कि-''चरणों में रहकर भगवन् प्यार ही प्यार मिला।

श्रीमती विमलेश जी धारीवाल-पाली-'बड़े उपकारी हैं, हमारे गुरुवर जी। क्षमा के सागर हैं आचार्य श्री।।' श्री हंसराज जी चौपड़ा-गोटन- 'पाली संघ का सौभाग्य देखो, पूज्य आचार्य श्री के चातुर्मास के लिये हमारे संघ की पुरजोर विनति थी। पर इन्हें चातुर्मास का लाभ प्राप्त हुआ।'

''पाली के वासी जग जाओ, गुरुदेव जगाने आये हैं।''

श्रीमती सुभद्रा जी धारीवाल, पाली-सभी भाई/बहिनों से निवेदन है-तप-त्याग-ज्ञान-ध्यान में नियमित आराधना का लक्ष्य रख, आगे बढ़े। चातुर्मास को ऐतिहासिक बनायें।

श्री चैनराज जी मेहता संरक्षक-पाली संघ-पाली संघ का बहुत-बहुत सौभाग्य है। यहाँ तीन संघों का संयुक्त संघ है। हमारा क्षेत्र कभी खाली नहीं रहा, ऐसी कृपा गुरुदेव की सदैव रही है। इस वर्ष भी भगवन् ने विनति स्वीकार कर उपकृत किया है। संघाध्यक्ष श्री छगनलाल जी लोढ़ा, चातुर्मास संयोजक श्री रूपकुमार जी चौपड़ा की ओर से धर्म ध्यान व हर गतिविधि में सभी संघ सदस्यों का पूर्ण सहयोग रहे, ऐसी भावना है।

श्रद्धेय श्री योगेश मुनि जी म.सा. ने प्रवचनामृत में फरमाया कि-चातुर्मास में पराक्रम कर एक-एक आत्म-प्रदेश को जागृत कर सम्यक्त्व में प्रवेश करें। स्वाध्याय के भेदों को श्रवण कर निर्जरा करने का लक्ष्य रख स्व-आत्मा में प्रवेश करें। पूज्य आचार्य भगवन् की उपस्थिति हमारी मनः स्थिति बदलने में अवश्य सहायक होगी।

महान अध्यवसायी श्रद्धेय श्री महेन्द्रमुनि जी म.सा. ने फरमाया कि-गुरुदेव दूरदर्शी हैं, सभी संघ का समादर करने वाले हैं। पाली वालों को सहज ही चातुर्मास मिल गया और मंगल प्रवेश भी सहज व सामान्य विधि से हो गया है। पाली संघ को वैयावृत्य का मंगल अवसर मिला है। अहंकार का गालन कर चातुर्मास में धर्माराधना का लक्ष्य रखें।

12 जुलाई को दोपहर समय आगम वाचनी के अन्तर्गत विपाक सूत्र की वाचना प्रारम्भ हुई। 13 को ज्ञानार्थी बहिन रेणु जी सुपुत्री श्री गौतमचंद जी गुंदेचा सोजत वालों ने पूज्य आचार्य भगवंत के श्रीमुख से 11 दिवसीय तपस्या के प्रत्याख्यान लेते हुए आगे बढ़ने वाले भाव अभिव्यक्त किये। 14 को गुलाबपुरा संघ पूज्य आचार्यप्रवर द्वारा चातुर्मास के लिये किये गये उपकार के उपलक्ष्य में कृतज्ञता के भाव निवेदन करने पावन श्री चरणों में आये। शासन सेवा समिति के सदस्य श्री गौतमराज जी सुराणा चेन्नई से चार दिवसीय सेवा सन्निधि का लाभ लेने की भावना से भगवन् की सेवा में आये। महान अध्यवसायी मुनि श्री की प्रेरणा से 15 जुलाई से भाई/बहिनों में पृथक्-पृथक् धर्मचक्र की आराधना प्रारम्भ हुई। श्रद्धेय श्री योगेशमुनिजी म.सा. ने आज प्रवचन में पाली संघ के अद्यतन इतिहास के अन्तर्गत महनीय योगदान देने वाले प्रबुद्ध श्रावकों के कार्य कलापों का उल्लेख कर धर्म सभा को एक नवीन जानकारी से अवगत करवाया।

16 जुलाई को आषाढ़ी चौमासी व गुरुपूर्णिमा के प्रसंग पर हर माह पूज्य गुरुदेव के चरणों में आने वाले श्रद्धालु गुरु भक्तों के अतिरिक्त जोधपुर, ब्यावर, विजयनगर, जयपुर, कोटा, हिण्डोन, मेड़ता सिटी, अजमेर, देई, दिल्ली, चेन्नई, बैंगलोर, बंगारपेट, मैसूर, कुम्भकोणम, मुम्बई, वाशिम आदि क्षेत्रों से भी तप-त्याग का अर्ध्य अर्पित करने की भावना से गुरु भक्त पावन सन्निधि में आये। प्रवचन सभा स्थल खचाखच भरा हुआ था। अच्छी संख्या में तपस्याओं के प्रत्याख्यान हुए। श्रीमती शर्मिला जी बांठिया धर्म सहायिका स्व. श्री ललित कुमार जी बांठिया ने अठाई की तपस्या के प्रत्याख्यान लिये। सायंकालीन समय चौमासी प्रतिक्रमण करने वालों की संख्या प्रमोदजन्य रही। रात्रि कालीन संवर आराधना व धर्मचक्र के प्रवाहमान रहने से पौषध भी अच्छी संख्या में हुए। 17 से प्रातः कालीन समय 7.55 से 8.45 तक श्रद्धेय श्री योगेशमुनिजी म.सा. द्वारा ली जाने वाली कक्षा में युवावर्ग उत्साहपूर्वक भाग ले रहा है।

18 को सुश्री रेणुजी सुपुत्री श्री गौतमचंदजी गुंदेचा सोजत रोड ने पूज्य आचार्य भगवंत के पावन मुखारविन्द से 15 दिवसीय तपस्या के प्रत्याख्यान लेकर अर्द्ध मासक्षपण का अर्ध्य पावन चरणों में अर्पित किया।

परम श्रद्धेय पूज्य आचार्य भगवंत का स्वास्थ्य समीचीन है। साधक शिरोमणि

पूज्य श्री का एक मात्र लक्ष्य स्वयं की साधना आराधना में स्वाध्याय रमणता में रत रहने का है। मौन का समय अब प्रातः काल सूर्योदय से 10 बजे तक दोपहर में 12 बजे से 3 बजे तक का किया हुआ है। फिर भी खुले समय में हर आगत को संभालने, सामायिक नियमित करने व रात्रि भोजन त्याग की प्रेरणा करने का बराबर खयाल रखे हुए हैं।

महान अध्यवसायी श्रद्धेय श्री महेन्द्रमुनिजी म.सा. के अतिरिक्त गुरुभक्तों को बराबर संभालने का दायित्व श्रद्धेय श्री योगेशमुनिजी म.सा. निर्वहन कर रहे हैं।

प्रातः कालीन प्रार्थना श्रद्धेय श्री रवीन्द्रमुनिजी म.सा. विशेष कक्षा व शुक्ल पक्ष में प्रवचन, श्रद्धेय श्री योगेशमुनिजी म.सा. बारह भावना पर, कृष्ण पक्ष में श्रद्धेय श्री विनम्रमुनिजी म.सा. कर्म प्रकृति पर, महान अध्यवसायी श्रद्धेय श्री महेन्द्रमुनिजी म.सा. तप के बारह भेद व उपासक दशांग सूत्र आधारित प्रवचन फरमा रहे हैं। दोपहर समय की वाचनी के अन्तर्गत आगम आख्याओं का विशद व सुन्दर विवेचन महान अध्यवसायी मुनि श्री कर रहे हैं। उभय काल प्रतिक्रमण व संवर आराधना का क्रम चल रहा है। चातुर्मास प्रवेश समय से तेले, उपवास, एकासन, आयम्बिल, नीवीं की लड़ी प्रवाहमान है। दर्शनार्थ आने वालों का क्रम अनवरत बना हुआ है। पाली संघ की स्वधर्मी वात्सल्य भावना प्रमोद जन्य है।

प्रातः कालीन विशेष कक्षा में अब तक धर्म क्यों जरुरी है, **Pleasure & Pain,** अपनी गलती को पहचानो, यह मन उलझा उलझा क्यों रहता है, **All is Well,** अभी उम्र नहीं है, अब उम्र नहीं आदि बिन्दुओं पर श्रद्धेय श्री योगेशमुनिजी म.सा. प्रभावशाली विश्लेषण कर युवा पीढ़ी को नई दिशा प्रदान कर रहे हैं।-जगदीश जैन

उपाध्यायप्रवर के पावन सान्निध्य में शक्तिनगर, जोधपुर में अपूर्व धर्माराधन

पूज्य उपाध्यायप्रवर पण्डितरत्न श्रद्धेय श्री मानचन्द्रजी म.सा., मधुरव्याख्यानी श्रद्धेय श्री गौतममुनिजी म.सा. आदि ठाणा के शक्तिनगर स्थित सामायिक-स्वाध्याय भवन में चातुर्मास के पूर्व से ही 'जैनत्व का गौरव जगे' एतदर्थ 14 से 16 जुलाई को त्रि-दिवसीय इक्कीस सूत्री कार्यक्रम के अन्तर्गत छोटे-छोटे नियमों की पालना करने का जन समुदाय ने संकल्प लिया। प्रातः 8.30 से 11 बजे के बीच तीनों दिन श्रद्धेय श्री अविनाशमुनिजी म.सा. एवं अंत में मधुरव्याख्यानी श्रद्धेय श्री गौतममुनिजी म.सा. ने एक-एक संकल्प का महत्त्व समझाते हुए जीवन-व्यवहार में नियमों की प्रतिबद्धता का हार्द समझाया। जोधपुर वासियों ने श्रद्धा-भक्ति से संकल्पों के परिपालन हेतु उत्साह दर्शाया।

चातुर्मासिक पक्खी पर श्रावकों ने रात्रि में संवर-पौषध की साधना की। रविवार, 21 जुलाई को समस्याओं का समाधान हेतु एक अचूक उपाय प्रेम के सन्दर्भ में मुनिप्रवरों ने प्रभावी प्रवचनों के माध्यम से प्रेम को जीवन-व्यवहार में अपनाने का आह्वान किया।

मधुरव्याख्यानी श्रद्धेय श्री गौतममुनिजी म.सा. ने संसार में कैसे रहना, इसका हार्द समझाया। प्रेम शब्द तो एक है, लेकिन उसके अर्थ अनेक हैं। देव-गुरु-धर्म के प्रति प्रेम से पहले तो समस्याएँ आयेगी नहीं और यदि आ जाय तो समाधान भी तुरन्त निकल सकता है। प्रभु से प्रेम में भक्ति चाहिए तो गुरु से प्रेम में विनय चाहिए। अपनत्व होगा तो धर्म से प्रेम होगा। परिवार में प्रेम संस्कारों से होगा। प्रेम जीवन है, प्रेम जीने की कला है।

मुनिश्री ने प्रेम और मोह का विवरण-विवेचन प्रस्तुत करते कहा- मोह है वहाँ स्वार्थ है, संकीर्णता है। प्रेम है वहाँ उदारता होती है, मोह पड़ा पानी है तो प्रेम बहता निर्मल जल। मोह में वासना है तो प्रेम में उपासना। प्रेम जब अनन्त होता है तो रोम-रोम संत होता है। प्रेम में सब मेरे और मैं सबका यही एक मात्र भाव होता है।

बुराई करे नहीं, भलाई का फल चाहे नहीं, बस इस एक सूत्र से आप प्रेम का माहात्म्य समझ कर जीवन-व्यवहार में प्रेम को अपनाएँगे तो आपको सुख-शांति-आनन्द प्राप्त होगा। रत्नसंघ के नायक आचार्यश्री हीरा तो कहते हैं कि प्रेम की ताकत देखनी हो तो धैर्य धारण करें। धैर्य होगा तो चलनी से कुए का पानी निकल सकता है। जब तक पानी बर्फ में परिवर्तित न हो, तब तक धैर्य रखने से चलनी द्वारा कुए का पानी निकल सकता है। धैर्य से प्रेम की ताकत अजमा कर देखें तो आपको प्रेमपूर्वक रहने का आनन्द मिल सकेगा।

प्रातःकालीन प्रार्थना, प्रवचन, दोपहर ज्ञानचर्चा, सायंकालीन प्रतिक्रमण एवं रात्रिकालीन संवर-पौषध में श्रावक-श्राविका उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। एकाशन, उपवास, बेले-तेले, आयंबिल आदि की साधना निरन्तर चल रही है। बड़ी तपस्याओं में अभी तक दस एवं नौ तथा तीन अठाई के प्रत्याख्यान हुए है। दर्शनार्थियों का आवागमन निरन्तर जारी है। शक्तिनगर संघ आतिथ्य सेवा में उत्साहपूर्वक भाग ले रहा है। -लाडेशजी रांका, चातुर्मास संयोजक

सेवाभावी श्रद्धेय श्री नन्दीषेणमुनिजी म.सा. के चातुर्मास में अपूर्व धर्माराधना

परम श्रद्धेय आचार्यप्रवर 1008 श्री हीराचन्द्रजी म.सा. के आज्ञानुवर्ती सेवाभावी श्रद्धेय श्री नन्दीषेणमुनिजी म.सा., श्रद्धेय श्री मनीषमुनिजी म.सा. आदि ठाणा 4 का वर्षावास मणीनगर- अहमदाबाद में होने से संघ सदस्य अपूर्व धर्माराधना का लाभ ले रहे हैं। प्रातःकालीन प्रार्थना, प्रवचन, दोपहर में ज्ञानचर्चा, सायंकालीन प्रतिक्रमण, संवर-पौषध आदि अनुष्ठानों में श्रावक-श्राविकाएँ उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। श्रद्धेय श्री दर्शनमुनिजी म.सा. द्वारा प्रार्थना का कार्यक्रम एवं प्रवचन में सेवाभावी श्रद्धेय श्री नन्दीषेणमुनिजी म.सा. दशवैकालिक सूत्र पर एवं श्रद्धेय श्री मनीषमुनिजी म.सा. विभिन्न विषयों पर प्रवचन फरमा रहे हैं। 108 एवं 1008 वंदना का क्रम जारी है। अभी तक 90 श्रावक-श्राविकाओं ने 108 वंदना एवं 15 श्रावक-श्राविकाओं ने 1008 वंदना की है। उपवास, आयंबिल एवं तेले का क्रम जारी है। बड़ी तपस्या में 23 के

प्रत्याख्यान हुए है। अभी तक 6 अठाई हो चुकी है। तीन श्रावकों ने पचोले की तपस्या की है। चातुर्मास प्रारम्भ से श्राविकाओं द्वारा निरन्तर एक घण्टे का नवकार मंत्र का जाप किया जा रहा है। प्रति शुक्रवार श्री वर्धमान जैन महिला मण्डल द्वारा शिविर आयोजित किया जा रहा है। प्रति शनिवार प्रातः 8 से 9 युवाओं के लिए विशेष कक्षा का आयोजन रहता है, जिसमें श्रद्धेय श्री मनीषमुनिजी म.सा. विभिन्न विषयों पर सारगर्भित प्रवचन फरमा रहे हैं। नवयुवक मण्डल द्वारा प्रति रविवार को दोपहर को ज्ञानशाला चल रही है। दर्शनार्थियों का आवागमन निरन्तर बना हुआ है। संघ के सभी सदस्य आत्मीयता पूर्वक आतिथ्य सेवा का लाभ ले रहे हैं।-निहालचन्द लोढ़ा, मंत्री

तत्त्वचिन्तक श्रद्धेय श्री प्रमोदमुनिजी म.सा. के चातुर्मास में धर्माराधन का ठाट

तत्त्वचिन्तक श्रद्धेय श्री प्रमोदमुनिजी म.सा., श्रद्धेय श्री यशवन्तमुनिजी म.सा. आदि ठाणा 6 के पावन सान्निध्य में सामायिक-स्वाध्याय भवन, नेहरुपार्क में चातुर्मास में अनूठा धर्मोद्योत चल रहा है। बिना किसी सूचना के अचानक गुरु भगवन्तों ने 10 जुलाई को सायं 5.30 बजे के लगभग नेहरुपार्क स्थानक में मंगल प्रवेश किया। उस दिन तत्त्वचिन्तक श्रद्धेय श्री प्रमोदमुनिजी म.सा. के तेले का तप था, जो आगे बढ़कर चौमासी के दिन नौ की तपस्या तक बढ़ा। चौमासी के साथ ही नियमित कार्यक्रम, जैसे- प्रार्थना, प्रवचन, ज्ञानाभ्यास, शास्त्रवाचन, प्रश्नोत्तर, प्रतिक्रमण आदि सभी कार्यक्रमों में श्रावक/श्राविकाएँ उत्साह से भाग ले रहे हैं।

विशेष कार्यक्रम के अन्तर्गत 'एक कदम धर्म की ओर' विषय की एक घण्टे की कक्षा समय 7.45 से 8.45 श्रद्धेय श्री अशोकमुनिजी म.सा. के द्वारा ली जाती है, जिसमें युवक-युवतियों के साथ-साथ अनेक श्रावक-श्राविकाएँ भी विशेष उत्साह से सम्मिलित होकर अपने जीवन को उन्नत बना रहे हैं।

25 जुलाई को बहु मण्डल के लिए एक दिवसीय शिविर 'अब नहीं तो कब?' का आयोजन किया गया, जिसमें 125 श्राविकाओं ने एकासन की तपस्या के साथ भाग लिया। 06 अगस्त को श्राविका मण्डल का एक दिन का शिविर 'मेरी समाधि मेरे हाथ' विषय पर आयोज्य है। तत्त्वचिन्तक श्रद्धेय मुनिश्री के विशेष प्रवचन भी उत्तराध्ययन सूत्र के 13 वें अध्ययन 'चित्त संभूतीय' पर चल रहे हैं, जिसमें तत्त्वों का एवं अध्यात्म का विशेष विवेचन चल रहा है।-प्रकाश चौपड़ा, संयोजक

संघ एवं संघीय संस्थाओं के सम्भावित कार्यक्रम

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ, स्थानीय संघ तथा पूज्य आचार्यप्रवर श्री हीराचन्द्रजी म.सा. द्वारा घोषित चातुर्मासों में सम्भावित कार्यक्रम इस प्रकार हैं:-

1. 18 अगस्त, 2019 को शक्तिनगर, जोधपुर में संगोष्ठी, विषय 'जैन दर्शन में नवतत्त्व की अवधारणा।'
2. 28-29 सितम्बर, 2019 को पाली में संघ एवं संघीय संस्थाओं की वार्षिक आमसभा,

गुणी अभिनन्दन, कार्यकारिणी बैठक एवं युवक परिषद् का अधिवेशन।

3. 01-02 अक्टूबर, 2019 को पाली में राष्ट्रीय विद्वत्संगोष्ठी।
4. 02-06 अक्टूबर, 2019 को पाली में विशिष्ट स्वाध्यायी प्रशिक्षण शिविर।
5. 06 अक्टूबर, 2019 को पाली में श्री स्थानकवासी जैन स्वाध्याय संघ एवं अ.भा. श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड की कार्यशाला।-धनपत सेठिया, राष्ट्रीय महामंत्री

आचार्य हस्ती–स्मृति–सम्मान 2019 तथा संघ द्वारा प्रदत्त अन्य सम्मान हेतु प्रविष्टियाँ आमन्त्रित

आचार्य हस्ती–स्मृति सम्मान

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ, जोधपुर द्वारा प्रतिवर्ष जैन आगम, जैन धर्म-दर्शन, कला एवं संस्कृति तथा जैन जीवन-पद्धति के क्षेत्र में लेखन, शोध तथा जैन सिद्धान्तों के प्रचार-प्रसार में विशिष्ट योगदान करने वाले विद्वान् को 'आचार्य हस्ती-स्मृति-सम्मान' से सम्मानित किया जाता है। इस सम्मान हेतु लेखकों से सम्मान योग्य कृति की चार प्रतियाँ 25 अगस्त 2019 तक आमन्त्रित हैं। उक्त तिथि के पश्चात् प्राप्त प्रविष्टियाँ सम्मिलित नहीं की जाएगी। सम्मान हेतु नियम इस प्रकार हैं-

1. विद्वान् की एक कृति अथवा उनके सम्पूर्ण योगदान के आधार पर भी सम्मानित किया जा सकेगा।
2. सम्मान हेतु प्रकाशित अथवा अप्रकाशित (टंकित) कृति की चार प्रतियाँ प्रेषित की जानी चाहिए।
3. प्रकाशित कृति सन् 2016 से पूर्व की नहीं होनी चाहिए।
4. पूर्व में किसी भी संस्था से पूर्व में पुरस्कृत कृति पर यह सम्मान नहीं दिया जाएगा।
5. कृति का विशेषज्ञ विद्वानों से मूल्यांकन कराया जाएगा।
6. कृति के मौलिक एवं पूर्व में पुरस्कृत न होने का प्रमाण-पत्र संलग्न करना होगा।
7. सम्मान के रूप में 51 हजार की राशि प्रशस्ति-पत्र के साथ प्रदान की जाती है।

आवदेन-पत्र कृति की चार प्रतियों के साथ अपने बायोडेटा एवं सम्पर्क सूत्र सहित संघ कार्यालय के पते पर प्रेषित करें।

युवा प्रतिभा–शोध साधना–सेवा–सम्मान (45 वर्ष की आयु तक)–

1. प्रशासनिक चयन- राज्यस्तरीय व केन्द्रीय प्रशासनिक सेवा, न्यायाधिपति आदि विशिष्ट पदों पर चयन।
2. प्रोफेशनल विशिष्ट- डॉक्टर, इंजीनियर, चार्टर्ड एकाउण्टेण्ट, कम्पनी सचिव व अन्य प्रोफेशनल पाठ्यक्रम में योग्यता सूची में स्थान पाने पर।
3. शोध- वैज्ञानिक खोज (अहिंसा व जैन सिद्धान्तों को पुष्ट करने वाली)
4. संघ-सेवा- चतुर्विध संघ सेवा, विशेष धार्मिक अध्ययन, धार्मिक लेखन इत्यादि।

विशिष्ट स्वाध्यायी सम्मान (एक श्राविका, एक युवा, एक वरिष्ठ स्वाध्यायी)- कम से

कम 10 वर्ष स्वाध्याय संघ, जोधपुर से स्वाध्यायी (पर्युषण पर्वाराधन) के रूप में सक्रिय सेवा। (युवा स्वाध्यायी के लिए आवश्यक होने पर सेवा वर्ष में छूट दी जा सकेगी।)

गुणी–अभिनन्दन–

1. तपस्या- कम से कम पाँच वर्ष तक एकान्तर, दीर्घ तपस्या, दीर्घ संवर-साधना या अन्य विशिष्ट तप।
2. अन्य- सेवा, साधना, संघ उन्नयन में योगदान, चतुर्विध संघ-सेवा, विद्वान्।

न्यायमूर्ति श्री श्रीकृष्णमल लोढ़ा स्मृति युवा शिक्षा प्रतिभा सम्मान

संघ द्वारा प्रदत्त न्यायमूर्ति श्री श्रीकृष्णमल लोढ़ा स्मृति युवा शिक्षा-प्रतिभा सम्मान हेतु प्रविष्टियाँ आमन्त्रित हैं। इसके अन्तर्गत उन छात्र-छात्राओं की प्रविष्टियाँ स्वीकार की जायेंगी, जिन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त की हो। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, विश्वविद्यालय आदि की परीक्षाओं में वरीयता सूची में विशिष्ट स्थान प्राप्त करने वाले श्रेष्ठ छात्र को 21 हजार रुपये की राशि से सम्मानित किया जाएगा। प्रतियोगी एवं प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों में उच्च वरीयता प्राप्त छात्र-छात्रा को भी सम्मानित किया जा सकता है।

इच्छुक अभ्यर्थी आवेदन करते समय अंकतालिका की सत्यापित प्रतिलिपि संलग्न करें।

डॉ. बिमला भण्डारी जैन रत्न शोध सम्मान

जैन धर्म-दर्शन से सम्बद्ध विषय पर पी-एच्.डी एवं डी.लिट् की उपाधि प्राप्त करने वाले शोधकर्त्ताओं को 'डॉ. बिमला भण्डारी जैन रत्न शोध सम्मान' से सम्मानित किया जाएगा। इस हेतु आवश्यक बिन्दु इस प्रकार हैं-

1. जिन शोधकर्त्ताओं ने 18 फरवरी 2018 से 17 फरवरी 2019 की अवधि में पी-एच्.डी/डी.लिट् उपाधि प्राप्त की है, उनमें से 1 पी-एच्.डी. उपाधिधारक तथा 1 डी. लिट् उपाधिधारक को क्रमशः 11 हजार रुपये एवं 15 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि से सम्मानित किया जाएगा।
2. 18 फरवरी 2018 से 17 फरवरी 2019 के मध्य जो भी पी-एच्.डी. एवं डी. लिट् उपाधि प्राप्तकर्त्ता होंगे, वे इस सम्मान हेतु आवेदन कर सकते हैं। आवेदन-पत्र के साथ पी-एच्.डी./डी. लिट् उपाधि के समुचित सर्टिफिकेट एवं शोधकार्य का सारांश संलग्न करना होगा।
3. सम्मान राशि 'श्री सरदारमल भण्डारी चेरिटेबल ट्रस्ट, जयपुर' के सौजन्य से प्रदान की जाएगी।

उक्त सभी सम्मानों हेतु अपनी प्रविष्टियां संघ के निम्नांकित पते पर संबंधित सम्मान का नाम लिखते हुए 25 अगस्त 2019 से पूर्व प्रेषित करें। -धनपत सेठिया, महामंत्री, अ. भा. श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ, सामायिक-स्वाध्याय भवन, प्लॉट नं. 2, नेहरू पार्क, जोधपुर-342003 (राज.), फोन नं. 0291-2636763

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न युवक परिषद् का वार्षिक अधिवेशन 28 सितम्बर को पाली में

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न युवक परिषद् का वार्षिक अधिवेशन शनिवार, 28 सितम्बर 2019 को पाली में आयोजित होने जा रहा हैं। युवक परिषद् के अधिवेशन प्रारम्भ होने से पूर्व प्रातः 9.00 बजे प्रवचन सभा में सभी पदाधिकारी व युवा साथी उपस्थित होंगे। प्रवचन पश्चात् अधिवेशन का कार्यक्रम प्रारम्भ होगा। सभी युवा साथियों से विनम्र अनुरोध है कि अधिवेशन में उपस्थित होकर अपनी सहभागिता प्रदर्शित करें। अधिवेशन में पधारने पर सभी युवा साथियों को जिनशासन गौरव परम श्रद्धेय आचार्यप्रवर 1008 श्री हीराचन्द्र जी म.सा. एवं संत मुनिराजों के दर्शन वंदन एवं प्रवचन श्रवण का लाभ भी प्राप्त होगा।-अनिल बोथरा, राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष

नम्र निवेदन

रत्नसंघ के सभी श्रावक-श्राविकाओं से विनम्र अनुरोध है कि संघ से सम्बन्धित समाचारों की कार्यालय से प्रामाणिक जानकारी एवं पुष्टि करने पर ही व्हाट्स एप्प पर प्रेषित करें, ताकि संघ सदस्यों में समाचारों को लेकर भ्रांति नहीं हो।

-धनपत सेठिया, संघमहामंत्री

समाचार विविधा

जोधपुर– श्री जैन रत्न श्राविका मण्डल, जोधपुर द्वारा 20 से 25 जून, 2019 को 6 दिवसीय 'ग्रीष्मकालीन शिविर' लगाया गया, जिसमें लगभग 155 श्राविकाओं ने बड़े ही उत्साह और उमंग के साथ भाग लिया। शिविर में 1 से 10 तक की कक्षाएँ रखी गई, जिसमें 21 जुलाई, 2019 को शिक्षण बोर्ड की परीक्षा की तैयारी कराई गई। इस शिविर में गुरु भगवन्तों व वरिष्ठ श्रावक-श्राविकओं का सान्निध्य मिला। इस शिविर में प्रतिदिन एक कक्षा मोटीवेंशन की लगाई गई, जिसके विषय इस प्रकार थे:- 1. 'योगा का धर्म साधना में महत्त्व' (20 जून), 2. 'कैसे रहे प्रेम से' (21 जून), 3. 'पॉजिटिविटी से घर को बनाये स्वर्ग' (22 जून), 4. 'धर्म साधना से जीवन निखारें' (23 जून), 'जिसके माँ-बाप के आँखों में ना आँसू, वो बेटा-बेटी है धांसू' (24 जून), 5. 'आदर्श श्राविका' (25 जून)। गुरु भगवन्तों द्वारा भी दो कक्षाएँ ली गई। इसके अतिरिक्त वरिष्ठ प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। समापन समारोह में अखिल भारतीय श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ के राष्ट्रीय महामंत्री श्री धनपतजी सेठिया, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री प्रकाशजी सालेचा, पूर्व राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष श्रीमती सुशीलाजी बोहरा, अ.भा.श्री जैन रत्न श्राविका मण्डल की कार्याध्यक्ष श्रीमती बीनाजी मेहता, श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ-जोधपुर के अध्यक्ष श्री सुभाषजी गुन्देचा, श्री जैन रत्न युवक परिषद-जोधपुर के अध्यक्ष श्री गजेन्द्रजी चौपड़ा के सान्निध्य में हुआ। -सुमन सिंघवी, अध्यक्ष

जयपुर– श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ जयपुर द्वारा रविवार, 23 जून, 2019 को सुबोध स्कूल के प्रांगण में आचार्यप्रवर 1008 श्री हीराचन्द्रजी म.सा. की आज्ञानुवर्ती

महासती श्री ज्ञानलताजी म.सा. के सान्निध्य में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसका विषय था- 'मनोविज्ञान और जैन शास्त्र'। संगोष्ठी में इस विषय के विशेषज्ञ श्रीमती खुशबूजी कर्नावट, कुमारी सिल्वीजी सेठ एवं श्री रितुलजी पटवा ने बहुत ही प्रभावशाली ढंग से अपने विचारों की प्रस्तुति दी। अंत में महासती श्री भाग्यप्रभाजी म.सा. ने भगवान महावीर द्वारा मनोविज्ञान को हजारों वर्ष पहले जिस प्रकार समझाया था उस पर आध्यात्मिक दृष्टि से प्रकाश डाला। उक्त कार्यक्रम श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ, जयपुर द्वारा आयोजित किया गया था। अध्यक्ष श्री प्रमोदजी महनोत ने धन्यवाद ज्ञापित किया। संगोष्ठी का संचालन जिनवाणी पत्रिका के प्रधान सम्पादक डॉ. धर्मचन्दजी जैन ने बहुत ही प्रभावशाली ढंग से किया।-सुरेशचन्द जैन, मंत्री

चेन्नई– परम श्रद्धेय आचार्यप्रवर 1008 श्री हीराचन्द्रजी म.सा. की आज्ञानुवर्ती महासती श्री इन्दुबालाजी म.सा. आदि ठाणा 10 का चातुर्मास प्राप्त होने से किलपॉक संघ में उत्साह बना हुआ है। चातुर्मास के प्रारम्भ से ही प्रातःकालीन प्रार्थना, प्रवचन, ज्ञानचर्चा, प्रतिक्रमण एवं रात्रिकालीन संवर की आराधना निरन्तर चल रही है। एकाशन, उपवास, बेले, तेले, पचोले तक की तपस्या सम्पन्न हो चुकी हैं। श्रीमती ललिताजी रांका-सेठिया ने 15 उपवास के प्रत्याख्यान किए हैं। चातुर्मास के अवसर पर 'जिनशासन की पुकार' की कक्षा में महासती श्री मुदितप्रभाजी म.सा. समसामयिक विषयों पर सारगर्भित प्रवचन फरमा रहे हैं, जिसमें युवा रत्नों सहित अनेक श्रावक-श्राविका उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। दर्शनार्थियों का आवागमन निरन्तर बना हुआ है। किलपॉक संघ आगत अतिथियों की सेवा में तत्पर हैं।- ललित बाघमार, मंत्री

अ. भा. श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ को प्राप्त साभार

100000/-सी.ए. श्री मुकेशकुमारजी कनकमलजी चौरड़िया, (अनिल शिवलालजी भण्डारी), जलगांव, संघ सहायतार्थ।

5100/- श्रीमती सूरज कंवरजी बोहरा, श्री अमितजी बोहरा, ब्यावर, स्व. श्री अमरचन्दजी बोहरा की पावन स्मृति में जीवदया हेतु।

3100/- श्री एम.एम. जैन,श्रीमती उमाजी जैन,श्री जीतजी जैन, गोवा, जीवदया हेतु।

1100/- श्रीमती पूनमजी पीयूषजी कोठारी, जयपुर, जीवदया हेतु।

1001/- श्रीमती कांताजी मेहता धर्मसहायिका स्व. श्री प्रकाशचन्दजी मेहता, जोधपुर, श्री अनिलजी भंसाली-जोधपुर के स्वर्गवास होने पर उनकी पुण्य स्मृति में जीवदया हेतु।

1000/- सौ. हेमलताजी सांखला, मुम्बई, जीवदया हेतु।

500/- श्री राजेन्द्रजी मुणोत, जोधपुर, पूज्य माताजी श्रीमती धापकंवरजी मुणोत के 08 जुलाई, 2019 को स्वर्गवास पर उनकी पुण्यस्मृति में जीवदया हेतु।

श्री स्थानकवासी जैन स्वाध्याय संघ को प्राप्त साभार

1100/- श्री रामलक्ष्मणजी कुम्भट, जोधपुर, पूज्य मातुश्री सुश्राविका श्रीमती उगमकंवरजी धर्मसहायिका स्व. श्री मगराजजी कुम्भट की 04 जून, 2019 को दसवीं पुण्यतिथि पर उनकी पावनस्मृति में।

अ. भा. श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड को प्राप्त साभार

15000/-कल्याणमल कनकमल चोरडिया ट्रस्ट, चेन्नई, पुस्तक प्रकाशन हेतु।

15000/-चैनकंवर कनकमल चोरडिया ट्रस्ट, चेन्नई, पुस्तक प्रकाशन हेतु।

3300/- श्री दिलखुशराजजी जैन, मुम्बई, अप्रेल-मई-जून-2019 हेतु सहयोगार्थ।

1100/- श्री महेन्द्रकुमारजी प्यारेलालजी मुणोत-नागपुर, अपनी पूज्य मातुश्री श्रीमती शांताबाईजी धर्मसहायिका श्री प्यारेलालजी मुणोत की पावनस्मृति में।

1100/- श्रीमती पदमादेवीजी जैन धर्मसहायिका श्री सम्पतराजजी बोथरा, जोधपुर, सहयोगार्थ।

अ. भा. श्री जैन रत्न आध्यात्मिक संस्कार केन्द्र को प्राप्त साभार

20000/-श्री सुरेशजी गांग, जोधपुर, संस्कार डायरी भाग प्रथम के प्रकाशन हेतु।

8500/- श्री प्रवीण कुमारजी, पदमा जी, मनोज जी, शैलेष जी, रक्षिता जी, सिद्धार्थ जी संकलेचा, कुम्भकोणम, चैन्नई, पूज्य मातुश्री श्रीमती सुशीला जी संकलेचा की पावन स्मृति में।

8000/- श्री सुशीलजी हिंगड़, पाली, सहायतार्थ।

संघ की आमसभा आदि कार्यक्रम 28–29 सितम्बर, 2019 को

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ, जोधपुर एवं संघीय संस्थाओं की संयुक्त आमसभा, गुणी अभिनन्दन समारोह, कार्यकारिणी सभा आदि कार्यक्रम आगामी शनिवार, रविवार 28-29 सितम्बर, 2019 को पाली-मारवाड़ में आयोजित किए जाएँगे, जिसमें सभी संघ सदस्यगण सादर आमन्त्रित हैं।-धनपत सेठिया, संघमहामंत्री

BOOK PACKETS CONTAINING PERIODICALS Value of Periodical From Rs.1/- to Rs.20/- For First 100 gms or part thereof Rs. 2/-

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक धनपत सेठिया द्वारा अ.भा. श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ, नेहरु पार्क, जोधपुर (राज.) से प्रकाशित, सम्पादक-प्रकाश सालेचा एवं इण्डियन मैप सर्विस, सेक्टर-जी, राममन्दिर के पास, शास्त्रीनगर, जोधपुर से मुद्रित

Contact No. 0291-2636763, 94610-26279 (WhatsApp)
Website- www.ratnasangh.com, Email : absjrhssangh@gmail.com

इस अंक का सौजन्य- गुरुभक्त संघनिष्ठ श्री कनकराज जी महेन्द्र जी कुम्भट-जोधपुर, मुम्बई